कमिश्नर के निर्देश के बाद पुलिस ने फिर छेड़ा सत्यापन अभियान

सत्यापन न कराने पर 17 मकान मालिकों के चालान

उत्तरांचल दीप ब्यूरो

हल्द्वानी। मंडलायुक्त के निर्देशों पर अमल करते हुए पुलिस ने सत्यापन अभियान एक बार फिर शुरू कर दिया है। जिसके तहत पुलिस की 16 टीमों ने बुधवार की प्रातः नगर के विभिन्न क्षेत्रों में सत्यापन अभियान चलाया जिसमें सत्यापन न कराने पर 17 मकान स्वामियों के चालान काटे गए।

इस अभियान से किराएदारों का सत्यापन न कराने वालों में हड़कंप मचा रहा। बता दें कि बीते दिनों नगर में एक के बाद एक ताबड़तोड़ आपराधिक वारदातें हुई। इन घटनाओं ने पुलिस की लचर कार्यप्रणाली को भी उजागर करने का कार्य किया। घटनाओं के घटित होने के बाद पुलिस ने एक-दो दिन चौकसी भी बरती लेकिन पुलिस को कुछ खास सफलता नहीं मिल पाई। लगातार बढ़ती आपराधिक वारदातों के बीच मंडलीय समीक्षा बैठक में मंडलायुक्त राजीव रौतेला ने पुलिस अधिकारियों को कानून व्यवस्था सुधारने की सख्त हिदायत दी थी। उन्होंने पुलिस को हल्द्वानी समेत अन्य शहरों में

सत्यापन अभियान में तेजी लाने के निर्देश दिए थे। साथ ही अपराधों के खुलासे व उनकी रोकथाम के लिए कड़े कदम उठाने के निर्देश पुलिस अधिकारियों को दिए थे। मंडलायुक्त के निर्देशों पर अमल करते हुए पुलिस ने नगर में एक बार फिर सत्यापन अभियान शुरू कर दिया है। इस अभियान की शुरुआत बुधवार की प्रातः से की गई। अभियान के तहत पुलिस क्षेत्राधिकारी दिनेश ढौंढियाल, कोतवाल केआर पांडे, एसओ कमाल हसन, नंदन सिंह रावत, दिनेशनाथ महंत के अलावा 22 दरोगा व 75 कांस्टेबल, 20 महिला कांस्टेबल, एक प्लाटून पीएसी को तीन सेक्टरों में बांटकर 16 टीमें गठित की गई। इन टीमों ने जवाहर नगर, राजपुरा, गौला नदी व उसके आसपास के क्षेत्रों में रह रहे किराएदारों से जानकारी ली। इस दौरान पुलिस ने किराएदारों का सत्यापन न कराने पर 17 मकान स्वामियों के चालान काटे जिसमें 13 मकान स्वामियों के कोर्ट के व 4 के पांच-पांच हजार रुपये के नगद चालान शामिल हैं।

पुलिस की इस कार्रवाई से किराएदारों का सत्यापन न कराने वाले मकान स्वामियों में हड़कंप मचा रहा। पुलिस का कहना है कि सत्यापन अभियान आगे भी जारी रहेगा। साथ ही किराएदारों का सत्यापन न कराने वाले मकान स्वामियों के खिलाफ कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वह बिना सत्यापन कराए किसी भी सख्स को किराए में मकान उपलब्ध न कराएं।

कार्रवाई

- बढ़ती वारदातों व आयुक्त के निर्देशों के बाद जागी पुलिस

बड़ी आपराधिक वारदातों के बाद ही खुलती है नींद

पुलिस किसी भी घटना के घटित होने के बाद ही सक्रिय दिखाई देती है। नगर में बड़ी आपराधिक वारदातों के घटित न होने पर पुलिस को सत्यापन, वाहन चेकिंग, रात्रि गश्त की याद कभी भी नहीं आती है। यदि पुलिस सामान्यता सत्यापन, वाहन चेकिंग, रात्रि गश्त के प्रति सजगता दिखाए तो कई आपराधिक वारदातें घटित होने से बच सकती हैं।

बेस अस्पताल में मरीजों की फजीहत

उत्तरांचल दीप ब्यूरो

हल्द्वानी। सोबन सिंह जीना बेस चिकित्सालय में उपचार कराने के लिए आने वाले मरीजों की इन दिनों खूब फजीहत हो रही है। जहां चिकित्सालय में तैनात अधिकांश चिकित्सक अवकाश पर चल रहे हैं, वहीं चिकित्सालय में दवाइयां तक उपलब्ध नहीं हैं जिसके चलते यहां उपचार की आस लेकर आने वाले मरीजों को मजबूरन निजी चिकित्सालयों में जाकर महंगा इलाज कराना पड़ रहा है।

गौरतलब है कि सोबन सिंह जीना बेस चिकित्सालय में नगर व आसपास के क्षेत्रों के अलावा पर्वतीय क्षेत्रों से सैकड़ों की संख्या में मरीज अपना उपचार कराने प्रतिदिन पहुंचते हैं। इनमें गरीब तबके के मरीजों की संख्या सबसे अधिक होती है। गरीब तबके के मरीज सस्ता इलाज कराने की आस में बेस चिकित्सालय पहुंचते हैं। लेकिन यहां आने के बाद भी उन्हें इलाज उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। चिकित्सालय में तैनात अधिकांश चिकित्सक इन दिनों अवकाश पर चल रहे हैं जिसके चलते मरीजों की जमकर फजीहत हो रही है। मरीज चिकित्सकों की तलाश में इधर-उधर भटकने को विवश हैं। इतना ही नहीं यदि कोई चिकित्सक मिल भी जाता है और संबंधित रोग की दवा लिख भी देता है तो चिकित्सालय के औषधि केंद्र में वह दवा उपलब्ध ही नहीं होती है जिसके चलते मरीजों को बाहरी मेडिकल स्टोरों का रुख करना पड़ता है। इन दिनों बेस चिकित्सालय में कैल्शियम, आयरन, खांसी का सिरप के अलावा सामान्यता मरीजों को दी जाने वाली कई दवाइयां तक उपलब्ध नहीं हैं।

इतना ही नहीं चिकित्सालय में यूरिन पॉट भी उपलब्ध नहीं है जिसके चलते मरीजों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यहां तक कि मंडलायुक्त भी निरीक्षण के दौरान अस्पताल प्रशासन को चिकित्सालय में समस्त दवाइयां उपलब्ध रखने के निर्देश दे चुके हैं बावजूद इसके अस्पताल प्रशासन दवाइयां उपलब्ध कराने की दिशा में कोई कदम नहीं उठा रहा है।

अव्यवस्था

- डाक्टरों के साथ दवाइयां भी नदारद
- मेडिकल स्टोरों से दवा खरीद रहे मरीज

नगर निगम के 20 कर्मियों ने की एसटीएच में सफाई

उत्तरांचल दीप ब्यूरो

हल्द्वानी। कुमाऊं कमिश्नर के दौरे के बाद सुशीला तिवारी अस्पताल की दशा सुधरने लगी है। इसके तहत नगर निगम की टीम ने अस्पताल परिसर में सफाई अभियान चलाया। नगर निगम के सफाई निरीक्षक अमोल असवाल की देखरेख में बुधवार सुबह सुशीला तिवारी अस्पताल परिसर में सफाई अभियान चलाया गया।

इस अभियान में नगर निगम के 20 सफाई कर्मी शामिल रहे। कर्मचारियों ने इंदिरा अम्मा भोजनालय के आसपास फैली गंदगी हटाने के साथ ही परिसर की तमाम नालियों की सफाई भी की। दोपहर तक सफाई अभियान जारी रहा। इस बीच नगर आयुक्त चंद्र सिंह मर्तोलिया व सहायक नगर आयुक्त विजेंद्र चौहान ने भी सफाई अभियान का जायजा लिया। इस दौरान चौहान ने बताया कि एसटीएच परिसर में खासी गंदगी फैली थी, इसे साफ करने के लिए निगम ने वाहन भी लगाये थे। अभियान के दौरान आधा दर्जन छोटा हाथी कूड़े से भर गये थे। गौरतलब है कि बीते मंगलवार को मंडलायुक्त राजीव रौतेला ने सुशीला तिवारी अस्पताल का औचक निरीक्षण किया था।

इस दौरान उन्होंने अस्पताल में सुविधायें दुरुस्त करने के साथ ही सफाई का जायजा भी लिया। इंदिरा अम्मा कैंटीन के आसपास गंदगी पड़ी होने पर उन्होंने खासी नाराजगी जताई थी। इस दौरान नगर निगम के अफसरों को सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश भी दिये गये थे।

असर

- मंडलायुक्त के दौरे के बाद अस्पताल में फैली गंदगी होने लगी साफ
- सुबह से लेकर दोपहर तक चला अभियान

सुशीला तिवारी अस्पताल परिसर में सफाई में जुटे नगर निगम कर्मी। ● उत्तरांचल दीप

जज फार्म में छह घंटे बिजली गुल

परेशानी

- पसीने से तरबतर हुए उपभोक्ता
- पेड़ कटान के चलते 11 केवी लाइन को किया गया बंद
- पीलीकोठी क्षेत्र में भी तीन घंटे बिजली संकट

उत्तरांचल दीप ब्यूरो

हल्द्वानी। टीपीनगर बिजलीघर से जुड़े जज फार्म, डहरिया क्षेत्र से जुड़े हजारों उपभोक्ताओं को छह घंटे से अधिक बिजली संकट झेलना पड़ा। भीषण गर्मी के बीच विद्युतापूर्ति गुल होने से लोग पसीना-पसीना हो गये। वहीं पीलीकोठी क्षेत्र में भी पोल शिफ्टिंग के चलते तीन घंटे बिजली गुल रही।

रामपुर रोड आईटीआई परिसर के पास खड़ा विशालकाय पेड़ काटने के लिए बुधवार को टीपीनगर बिजलीघर से कुछ इलाकों की आपूर्ति बंद की गई थी। विद्युत वितरण खंड ग्रामीण

डिवीजन के अधिशासी अभियंता अमित आनंद ने बताया कि पेड़ काटने के चलते 11 केवी लाइन क्षतिग्रस्त होने की आशंका थी, ऐसे में लाइन को बंद करना पड़ा। इस वजह से जज फार्म, डहरिया, धान मिल, रूपनगर आदि क्षेत्रों की बिजली सुबह 10 से अपराह्न चार बजे तक ठप रही। उन्होंने बताया कि पीलीकोठी क्षेत्र में नाली निर्माण में आड़े आ रहे करीब दो दर्जन विद्युत पोलों को शिफ्ट करने का काम लगभग पूरा कर लिया गया है। बुधवार को सुबह आठ से 11 बजे तक पीलीकोठी, मुखानी क्षेत्र में आपूर्ति बाधित रही। इधर भीषण गर्मी के बीच बिजली गुल होने से हजारों उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ा।

27 टैंकरों ने 250 चक्कर लगा बांटा पानी

हल्द्वानी। शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में खराब पड़े दर्जन भर से अधिक ट्यूबवेलों के कारण पेयजल संकट गहरा रहा है। ऐसे में पेयजलापूर्ति करने में जल संस्थान के पसीने छूट रहे हैं। गौजाजाली, हीरानगर के साथ ही तमाम ट्यूबवेलों की मरम्मत का काम तेजी से चल रहा है। इधर बुधवार को जल संस्थान के सात तथा 20 निजी टैंकरों के जरिये प्रभावित क्षेत्रों में पानी बांटा गया। इन टैंकरों ने शाम तक 250 चक्कर लगाये।

एक जुलाई से होगा नाट्य कार्यशाला का शुभारम्भ

नैनीताल। सरोवर नगरी की दो प्रमुख सांस्कृतिक संस्थाओं युगमंच और शारदा संघ द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी एक 25 दिवसीय बाल नाट्य कार्यशाला का आयोजन एक जुलाई से किया जा रहा है। सभी स्कूल के छात्र-छात्राएं भी नाट्य प्रशिक्षण का लाभ उठा सकते हैं। इसके लिए युगमंच व शारदा संघ से संपर्क किया जा सकता है। युगमंच के रंगकर्मी जुहूर आलम ने बताया कि यह नाट्य कार्यशाला एक जुलाई से प्रतिदिन सायं 6.30 बजे से शारदा संघ में आयोजित होगी। नाट्य कार्यशाला में बाल व किशोर प्रतिभाओं को नाटक के माध्यम से उनमें छुपी प्रतिभा को उभार कर उनके व्यक्तित्व विकास पर बल दिया जाएगा। इसके साथ ही इस नाट्य शिविर में प्रशिक्षण के दौरान एक नाटक भी तैयार किया जाएगा जिसका मंचन शिविर के समापन अवसर पर शैले हॉल में होगा। शिविर के समापन अवसर पर प्रशिक्षार्थियों को पारितोषिक व प्रमाण पत्र दिए जाएंगे।

प्रवेश प्रारम्भ
सीफा आई.टी.आई.
(NCVT से मान्यता प्राप्त)
• ट्रेड-कोपा • योग्यता-हाईस्कूल • एक वर्षीय कम्प्यूटर कोर्स
(SC/ST एवं पूर्व सैनिकों के आश्रितों हेतु नियमानुसार छात्रवृत्ति की सुविधा)
सीफा औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (प्रा.)
शिवपुरी कालोनी के पीछे,हरिपुर वच्ची, हल्दूचौड़ (हल्द्वानी)
Ph: 05945-268681, Mob: 9358192253, 9359490698

विभाग को नहीं मिली शासन द्वारा घोषित तीन करोड़ रुपये की धनराशि

बजट के अभाव में लटका झील संरक्षण कार्य

उत्तरांचल दीप ब्यूरो

नैनीताल। शासन द्वारा नैनी झील के गिरते जल स्तर के बाद उठी चिन्ताओं के बाद नैनी झील व उससे मिलने वाले नालों की देखरेख का जिम्मा सिंचाई खंड नैनीताल को सौंप तो दिया है। लेकिन अभी बजट नही होने से विभाग खाली हाथ बैठा है। बीते वर्ष सीएम त्रिवेन्द्र रावत द्वारा घोषित तीन करोड़ रुपया भी सिंचाई विभाग को नहीं मिल पाया है।

आज हालत यह है कि विभाग के पास लोनिवि की तर्ज पर अपनी मजदूर गैंग तक नहीं है। इससे पूर्व झील की देखरेख का कार्य कर रहे लोनिवि प्रांतीय खंड के पास चार अवर अभियंताओं व 28 मजदूरों की गैंग थी। सिंचाई विभाग के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार शासन द्वारा झील संरक्षण को सिंचाई विभाग को तीन करोड़ रुपये फिलहाल नहीं मिले है। तीन करोड़ की डीपीआर बनाई गई है। इसके अलावा विभाग ने अमृत योजना के तहत सात करोड़ की योजना का भी डीपीआर बना लिया है। इन दोनों बजट से झील की सफाई के साथ ही नालों की सफाई उनका रखरखाव व झील की सुरक्षा दीवारों की मरम्मत के साथ ही झील से गाद निकालने का कार्य किया जाना प्रस्तावित था लेकिन अब मानसून सक्रिय होने के बाद यह कार्य इस बार नहीं हो सकेगा। बरसात के दौरान इसके अलावा सिंचाई विभाग झील के जलागम क्षेत्रों के संरक्षण का कार्य भी करेगा। यह सब अब बजट मिलने पर ही निर्भर है। मालूम हो कि बीते वर्ष विश्व प्रसिद्ध नैनी झील का जलस्तर चिन्ताजनक स्थिति में गिर गया था। इसकी चिन्ता न केवल स्थानीय स्तर पर बल्कि शासन व राजभवन स्तर पर भी हुई। पीएमओ कार्यालय ने भी चिन्ता जाहिर करते हुए उत्तराखंड के प्रमुख सचिव को पत्र लिख कर नैनी झील के संरक्षण के लिए उठाये जा रहे उपायों की जानकारी मांगी। इसके बाद राज्य सरकार की ओर से झील संरक्षण व जलस्तर कम होने के कारणों के लिए

फाईल फोटो

शासन द्वारा झील संरक्षण को सिंचाई विभाग को तीन करोड़ रुपये फिलहाल नहीं मिले हैं। इसके अलावा विभाग ने अमृत योजना के तहत सात करोड़ की योजना का भी डीपीआर बना लिया है। इन दोनों बजट से झील की सफाई के साथ ही नालों की सफाई उनका रखरखाव व झील की सुरक्षा दीवारों की मरम्मत के साथ ही झील से गाद निकालने का कार्य किया जाना प्रस्तावित था लेकिन अब मानसून सक्रिय होने के बाद यह कार्य इस बार नहीं हो सकेगा। बरसात के दौरान इसके अलावा सिंचाई विभाग झील के जलागम क्षेत्रों के संरक्षण का कार्य भी करेगा। यह सब अब बजट मिलने पर ही निर्भर है।

मदन मोहन जोशी, एई सिंचाई विभाग नैनीताल।

लेट लतीफी

- मानसून शुरू होने के बाद नहीं हो सकेगा गाद निकालने का कार्य

आईआईटी रुड़की, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ सोयल एंड वाटर कंजर्वेशन देहरादून व नेशनल इंस्टीट्यूट आफ हाईड्रोलॉजी देहरादून के वैज्ञानिकों से सर्वे कराने के निर्णय लेने के साथ ही नैनी झील नैनी झील की देखरेख का जिम्मा लोनिवि से हटाकर सिंचाई विभाग को सौंप दिया। विशेषज्ञ टीमों ने नैनीताल पहुंचकर सर्वे कार्य भी शुरू कर दिया है। इसके साथ ही तात्कालिक कार्यों के लिए तीन करोड़ रुपये भी मंजूर कर दिये थे लेकिन यह बजट अभी तक विभाग को नही मिल पाया है। इसके अलावा सिंचाई विभाग ने अमृत योजना के तहत सात करोड़ रुपयों का डीपीआर भी बनाया है जिसमें झील संरक्षण के कार्यों के साथ ही झील से गाद निकालने का कार्य भी शामिल है। बीते वर्ष लोनिवि ने फरवरी माह से ही झील संरक्षण के कार्य शुरू कर दिये थे लेकिन इस बार अभी तक कार्य शुरू नही हो सके हैं। अब जबकि मानसून शुरू हो रहा है तो झील से गाद निकालने का कार्य इस बार संभव नहीं है।

HONDA
The Power of Dreams
सब कर देंगे सपने
*अब सर्विस भी प्रारम्भ रामपुर रोड पर
Unleash
the power of 125cc
मॉनसून ऑफर सीमित समय के लिये
₹2000 का निश्चित अपग्रेड बोनस
कैश व फाइनेंस खरीदारी के लिये मान्य
0 प्रोसेसिंग फीस | 0 डॉक्यूमेंटेशन फीस | 0 डाउन पेमेंट
Activa 125
IT'S FRONTASTIC
होंडा है HONDA
श्री बालाजी होंडा
बरेली रोड, नवीन मण्डी के पास,हल्द्वानी
05946-251546, 9084592608, 609
BEST DEAL HONDA
रामपुर रोड, हल्द्वानी
Mob: 9084592610

यूकेडी ने स्वास्थ्य सेवा बेहतर बनाने को राज्यपाल को भेजा ज्ञापन

उत्तरांचल दीप ब्यूरो

हल्द्वानी। यूकेडी युवा प्रकोष्ठ ने प्रदेश में बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर राज्यपाल को ज्ञापन भेजा है। युवा कार्यकर्ताओं ने बुधवार को सिटी मजिस्ट्रेट पंकज उपाध्याय को सौंपे ज्ञापन में कहा है कि राज्य गठन के बाद से अब तक प्रदेश सरकारों ने स्वास्थ्य सेवा को दुरुस्त करने के बजाय केवल चुनावी मुद्दा बनाकर रख दिया है।

पलायन रोकने को आयोग बनाकर केवल खानापूर्ति की जा रही है। प्रदेश के 700 गांव खाली हो चुके हैं। पलायन का मुख्य कारण दम तोड़ती स्वास्थ्य सेवायें, लचर शिक्षा, रोजगार, सड़क व पानी की कमी है। पर्वतीय क्षेत्रों में सड़कों के अभाव में मरीज चार से पांच घंटे पैदल चलकर अस्पताल पहुंचते हैं, यदि मरीज गंभीर है तो रास्ते में ही दम तोड़ देता है।

राजधानी दून का अस्पताल भी चिकित्सक, दवा व टेक्निकल स्टॉफ की कमी से जूझ रहा है। यूकेडी कार्यकर्ताओं ने राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की मांग की है। ज्ञापन सौंपने वालों में युवा अध्यक्ष मनोज सिंह नेगी, महानगर अध्यक्ष प्रताप सिंह चौहान, रवि वाल्मीकि, जीवन सिंह बिष्ट, हर्षवर्धन मेहरा, इरफान अहमद, राजू पाठक, अमर गिरि गोस्वामी, उस्माम सैफी, सलीम सैफी, अकील, नफीस आदि शामिल थे।

एफटीआईआई कार्यशाला छह से

नैनीताल। एफटीआईआई के तत्वावधान में आगामी छह अगस्त से वर्कशाप का आयोजन किया जायेगा। यह जानकारी देते हुए एफटीआईआई के समन्वयक राजेश साह ने बताया कि एक्टिंग का जज्बा रखने वालों व अभिनय के शौकीन युवाओं के लिए छह अगस्त से 28 अगस्त तक नैनीताल शहर में वर्कशाप लगाई जायेगी जिसमें फिल्म, टेलिफिल्म व धारावाहिकों में होने वाले अभिनय के गुर प्रतिभागियों को सिखायें जायेंगे। उन्होंने बताया कि वर्कशाप के लिए 20 से 24 सीटें निर्धारित की गयी हैं प्रतिभागी एफटीआई इंडिया डॉट कॉम वेबसाइट में समस्त जानकारी प्राप्त कर आवेदन कर सकते हैं।